https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

रयूमैटकि बुखार एवं स्ट्रेप्टोकोकल रिएक्टिव गठिया

के संस्करण 2016

स्ट्रेप्टोकोकल से जुड़ा रिएक्टिव अर्थराइटिस

क्या है?

बच्चों एवं वयस्को में स्ट्रेप्टोकोकल संक्रमण से जुड़ा अर्थराईटिस का वर्णन किया गया है। इसे पोस्ट- स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस कहा जाता है।
पोस्ट- स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस 8 से 14 वर्ष आयु के बच्चों एवं 21 से 27 वर्ष के युवा वयस्कों में पाया जाता है। गले के संक्रमण के पश्चात 10 दिन के अंतर्गत मे इसके लक्षण पाये जाते है। इस बीमारी में बडे जोडों के अलावा, हाथ के छोटे जोड एवं रीढ की हड्डी पर भी असर होता है। रयूमैटकि बुखार वाले आर्थराईटिस के मुकाबले यह अर्थराईटिस 2 महिनें या अधिक समय तक चलता है।
इसके साथ हल्का सा बुखार एवं प्रदाह दर्शाने वाली जांच जैसे (सी0आर0पी, ई0एस0आर0) में खराबी आ सकती है। किन्तु इनकी मात्रा रयुमैटकि बुखार की तूलना में कम होती है। अर्थराईटिस, नव स्ट्रेप्टोकोकल संक्रमण का प्रमाण, असामान्य स्ट्रेप्टोकोकल एंटीबॉडी जांच (ए0एस0ओ0 डी0एन0एस0बी) एवं "जोन्स क्रायटेरिया" के लक्षणों का अभाव ही पोस्ट- स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस के निदान का आधार है।
पोस्ट- स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस एवं रयूमैटकि बुखार दो विभिन्न बीमारीयाँ है। पोस्ट- स्ट्रेप्टोकोकल अर्थराइटिस वाले मरीज में हृदय प्रदाह नही होता है। रोकथाम के लिये अमैरीकन र्हाट असोसियेशन ने लक्षण के शुरूआत के पश्चात एक साल तक एंटीबायोटीक देने की सलाह दी है। इन मरीजों में हृदय प्रदाह का परिक्षण एवं एकोकार्डीयोग्राफी जांच से ध्यान रखना जरूरी है। हृदय प्रदाह पाये जाने पर इनका ईलाज रयूमैटकि बुखार के जैसा करना चाहिये। 1 वर्ष तक हृदय प्रदाह न होने पर एंटीबायोटीक दवाइयां बंद की जा सकती है। हृदयरोग विशिषज्ञ के सम्पर्क मे रहना आवश्यक है।